जरिए आसानी से कभी भी, कहीं भी सुना जा सकता है।

सम्मान एवं पुरस्कार :

1. हमारी गृह पत्रिका प्रयास को लगातार चौथी बार राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति के कर-कमलों द्वारा प्रदान किया जाएगा।

2. वर्ष 2019-20 के लिए भारत सरकार, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय पटना एवं प्रशासनिक कार्यालय कोट्टायम को राजभाषा कार्यान्ययन के लिए क्षेत्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

3. हमारे भुवनेश्वर, जबलपुर, सूरत तथा इंदौर नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को क्षेत्रीय राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

4. राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कंठस्थ नाम से बैंकिंग क्षेत्र में अनुवाद का ग्लोबल डेटा बेस तैयार करने हेतु अनुवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों एवं कार्यालयों (भारतीय रेल एवं सुरक्षा बल सहित) 360 से अधिक सार्वजनिक क्षेत्र के सभी प्रतिष्ठानों, सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों एवं बीमा कंपनियों में भारतीय स्टेट बैंक का सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन रहा। बैंक के 9 अधिकारियों को सचिव, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और उप प्रबंध निदेशक (मा.सं) एवं कॉरपोरेट विकास अधिकारी द्वारा सभी विजेताओं को प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए।

5. विपणन एवं संप्रेषण

विपणन एवं संप्रेषण (एमएंडसी) विभाग ब्रांडिंग, उत्पाद विपणन और कॉरपोरेट संचार की दिशा में आपके बैंक की पहलों के लिए जिम्मेदार है। समकालीन विपणन दृष्टिकोण अपनाकर उत्पादों और सेवाओं को बढ़ावा देने में अपने प्रयासों को अनुकूलित करने और डिजिटल को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से पहल और युवाओं के साथ जुड़ते हैं, एमएंडसी विभाग भारतीय और विदेशी परिचालनों सहित आपके बैंक के विभिन्न डिवीजनों की व्यावसायिक चुनौतियों से निपटने के लिए एकीकृत विपणन रणनीतियों को विकसित और लागू करने का प्रयास करता है । इस विभाग में डोमेन कुशल पेशेवर और विभिन्न प्रासंगिक क्षेत्रों से तैयार किए गए विशेषज्ञ शामिल हैं - मीडिया, विपणन संचार, डिजिटल विपणन, विज्ञापन और जनसंपर्क।

महामारी के वर्ष के दौरान, भले ही शाखाएं और एटीएम निर्बाध रूप से काम कर रहे थे, लेकिन आपके बैंक की एमएंडसी टीम का ध्यान एसबीआई की डिजिटल पहलों और कोविड-19 के समय के दौरान कर्मचारियों के प्रयासों को बढ़ावा देना था । इसके लिए आपके बैंक ने एसबीआई के डिजिटल बैंकिंग चैनल जैसे योनो, एसबीआई भीम पे, आईएनबी आदि को डाउनलोड करने और ग्राहकों को उनका ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने के लिए पहल की । हमने अपने डिजिटल उत्पादों और सेवाओं के बारे में ग्राहकों की जागरूकता के लिए कई अन्य अभियानों के साथ-साथ #GharseBanking, #Khushiyonkaswagat आदि जैसी डिजिटल पहल भी की, जिनका लाभ लॉक डाउन के समय घर बैठे उठाया जा सकता था ।

विभाग ने सभी व्यावसायिक इकाइयों में विपणन प्रयासों को एकीकृत करने के लिए अपनी प्रक्रिया को और मजबूत किया है और किसी भी विपणन अभियान को शुरू करने के लिए एक उपयुक्त प्रक्रिया स्थापित की है । एमएंडसी टीम का शुभारंभ होम लोन, पर्सनल लोन, करेंट अकाउंट, एनआरआई सर्विसेज और डिजिटल उत्पादों जैसे उत्पादों के लिए प्रमुख विपणन अभियान। विभाग ने खुदरा ऋण उत्पादों की सीमा के लिए विचार करने के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण भी शुरू किया । इन सभी अभियानों के लिए अलग-अलग मीडिया चैनलों जैसे प्रिंट, सोशल मीडिया, एटीएम आदि का इस्तेमाल किया गया। विभाग ने मीडिया के विभिन्न रूपों के माध्यम से अपनी कई स्थिरता पहलों और सीएसआर को भी बढ़ावा दिया।

आगे बढ़ते हुए, अन्य विपणन पहलों के साथ, आपका बैंक अपने प्रमुख उत्पाद योनो के साथ अपनी विभिन्न डिजिटल पहलों को और बढ़ावा देने की योजना बना रहा है। विभाग का जोर प्रासंगिक बने रहने के लिए अपनी सभी विपणन पहलों को लगातार फिर से परिभाषित और दोहराने और भारतीय स्टेट बैंक के लिए एक परिवर्तन उत्प्रेरक के रूप में कार्य करने के लिए खुद को सबसे जीवंत और विश्वसनीय ब्रांडों में से एक के रूप में स्थान देने के लिए है ।

6. सतर्कता तंत्र

1 सतर्कता समारोह के तीन पहलू हैं-निवारक, दंडात्मक और सहभागी । पिछले अनुभवों/घटनाओं के आधार पर प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर प्रणाली/प्रक्रिया में सुधार किए जा रहे हैं और निवारक सतर्कता उपाय के रूप में बैंक के दिशा-निर्देशों को सुव्यवस्थित किया जा रहा है ।

अध्यक्ष द्वारा धनसंपदा प्रबंधन हब मैसूरु का उद्घाटन

2. इस वर्ष के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अक्टूबर 2020 से 2 नवंबर 2020 तक मनाया गया, जिसमें "सर्तक भारत, समृद्धि भारत (सतर्क भारत, समृद्ध भारत) विषय था। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के पालन के एक भाग के रूप में, सभी स्टाफ सदस्यों को "सत्यनिष्टा प्रतिज्ञा" दिलाई गई है। बैंक के सभी चैनल जैसे एसबीआई टाइम्स, एटीएम, सीडीएम, इंटरनेट बैंकिंग, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम, लिंक्डइन का इस्तेमाल सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वीएडब्ल्यू) की थीम पर कर्मचारियों और जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए किया जाता है । वीएडब्ल्यू के दौरान, हमने बैंक के शीर्ष प्रबंधन के साथ सीवीसी का एक सम्मेलन आयोजित किया। आयोग को बैंक द्वारा किए गए व्यापक निवारक सतर्कता उपायों के साथ प्रस्तुत किया गया था । आयोग ने बैंक द्वारा किए गए विभिन्न उपायों की सराहना की। इस अवधि के दौरान मौजूदा कॉविड-19 दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन करते हुए आंतरिक हाउस कीपिंग से संबंधित कार्यों को अभियान मोड में लिया गया । कर्मचारियों के बीच जागरूकता प्रदान करने के लिए केस स्टडीज और अन्य महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों को शामिल करते हुए एक "सतर्कता बुलेटिन" प्रकाशित किया गया था ।

3. समीक्षाधीन वित्तीय वर्ष के दौरान सतर्कता प्रशासन की प्रभावशीलता में सुधार लाने और अनुशासनात्मक मामलों के समय पर निपटारे के उद्देश्य से निम्नलिखित उपाय शुरू किए गए थे ।

i. डीएफएस ने सतर्कता प्रशासन को मजबूत करने और सीवीओ को समर्थन देने के लिए बैंक में प्रतिनियुक्ति के आधार पर 6 अतिरिक्त मुख्य सतर्कता अधिकारियों (एसीवीओ) की नियुक्ति की है। 6 एसीवीओ में से 4 जोन (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) और कॉरपोरेट सेंटर में 2 तैनात हैं ताकि कॉरपोरेट बैंकिंग (सीएजी, सीसीजी, आईबीजी और एसएआरजी) और सहायक कंपनियों और आरआरबी के मामलों को निपटाया जा सके। इन एसीवीओ की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को अंतिम रूप दिया जाता है और उनके लिए आवश्यक अवसंरचना का सृजन किया जाता है। सहायक कंपनियों और आरआरबी के लिए एसीवीओ की नियुक्ति के साथ, आरआरबी और सहायक कंपनियों के सतर्कता प्रशासन को सीवीओ की सीधी निगरानी में लाया जाता है।

ii. 50 करोड़ रुपये और उससे अधिक की बड़ी मूल्य की धोखाधड़ी के संबंध में कर्मचारियों की जवाबदेही परीक्षा की प्रगति की निगरानी के लिए एक तंत्र स्थापित करने के लिए, "एबीबीएफ समीक्षा समिति" नाम से एक समिति प्रबंध निदेशक (सीबी एंड जीएम) की अध्यक्षतां में का गठन किया गया है। यह समिति द्विमासिक अंतराल पर एबीबीएफ को भेजे जा रहे सभी मामलों की प्रगति की समीक्षा करेगी। समीक्षा की गई स्थिति रिपोर्ट को सभी हितधारकों के साथ साझा किया जा रहा है ताकि उनके अंत में वांछित त्वरित कार्रवाई शुरू की जा सके, ताकि एबीबीएफएफ द्वारा निर्धारित समयसीमा को पूरा किया जा सके ।

iii. अनुशासनात्मक मामलों में समग्र दृष्टिकोण अपनाने और एक समान निर्णय और त्वरित निपटान सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीकृत डीए बनाए गए हैं और 5 डीएएस (4 हब, सीसीजी में 1) को तैनात/नामित किया गया है ।

4. सतर्कता विभाग ने 193 निवारक सतर्कता कार्यक्रम आयोजित किए हैं और 3735 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है। निवारक उपायों को प्रभावी बनाने के लिए 768 शाखाओं में स्वतः जांच की गई है।

5 वित्तीय वर्ष 2020-2021 के दौरान कुल 1,716 मामले (जिनमें 908 नए मामले शामिल हैं) की जांच की गई, जिनमें से 1045 मामले अब तक बंद हो चुके हैं।

7. आस्ति एवं देयता प्रबंधन

बैंकों के सतत और गुणात्मक विकास के लिए परिसंपत्तियों और देनदारियों (एएलएम) का कुशल प्रबंधन महत्वपूर्ण है। एएलएम का उद्देश्य बाजार की गतिशीलता की सक्रिय रूप से समीक्षा करके बैलेंस शीट को मजबूत करना, उससे निकलने वाले संकेतों पर नियंत्रण करना और मूल्य निर्माण सुनिश्चित करने के लिए नियामक आवश्यकताओं का आकलन करना है ।

मजबूत जोखिम प्रबंधन प्रथाओं के हिस्से के रूप में, आपका बैंक लगातार 'जमा', 'एसेट एंड लायबिलिटी मैनेजमेंट', 'तरलता और ब्याज दर जोखिमों पर तनाव परीक्षण', 'आकस्मिक वित्तपोषण योजना' और बाजार की स्थितियों में परिवर्तन को अनुकूल बनाने पर अपनी आंतरिक नीतियों की लगातार समीक्षा कर रहा है। बैंक अंतिम जोखिम का ख्याल रखने के लिए रिवर्स स्ट्रेस टेस्ट कर रहा है जो सबसे खराब स्थिति के रूप में उभर सकता है ।

तरलता की स्थिति का आकलन करते समय परिसंपत्तियों और देनदारियों की गैर-संविदात्मक वस्तुओं को उचित उपचार देने के लिए ग्राहकों के व्यवहार पैटर्न (ग्राहकों के लिए उपलब्ध एम्बेडेड विकल्प) का आकलन करने के लिए नियमित अंतराल पर अध्ययन किए जाते हैं। व्यवहार विश्लेषण सटीक सुनिश्चित करने के लिए छमाही अंतराल पर किया जा रहा है आउटफ्लो/इनफ्लो की स्थिति, तरलता और ब्याज दर संवेदनशीलता विवरणों में, जो ऑफ-बैलेंस शीट एक्सपोजर, संभावित ऋण हानि के प्रभाव आदि के कारण उत्पन्न होती है। परिसंपत्तियों और देनदारियों की गैर-संविदात्मक वस्तुओं से संबंधित प्रचलित मान्यताओं की नवीनतम अध्ययनों के परिणामों के आधार पर समय-समय पर समीक्षा और अद्यतन किया जाता है ।

उच्च गुणवत्ता वाले तरल परिसंपत्तियों (मुख्यालय) और नकदी बहिर्वाह के स्टॉक की प्रभावी रूप से गतिशील बाजार वातावरण के तहत दैनिक आधार पर निगरानी की जाती है ताकि नियामक के साथ-साथ बैंक की एएलएम नीति बेंचमार्क द्वारा निर्धारित एलसीआर का रखरखाव सुनिश्चित किया जा सके ।

आपके बैंक ने तरलता के मामले में बैंक के दीर्घकालिक लचीलेपन को मापने वाले आरबीआई के एनएसएफआर दिशानिर्देशों को सक्रिय रूप से लागू किया है, जो 1 अक्टूबर 2021 से लागू हो रहा है।

आपका बैंक अपनी ऑन-बैलेंस शीट और अल्पकालिक और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य दोनों से बैलेंस शीट एक्सपोजर पर बदलती ब्याज दरों से जुड़े अंतर्निहित जोखिमों की पहचान करता है। इस उद्देश्य के लिए, जोखिम पर आय पर प्रभाव (ईएआर) और इक्विटी के बाजार मूल्य (एमवीई) का आकलन पूर्व-परिभाषित सहिष्णुता सीमाओं के साथ किया जाता है जो प्रबंधन को एनआईआई/नेट वर्थ में क्षरण के संभावित परिदृश्य में उचित निवारक कदम शुरू करने में सक्षम बनाता है ।

शाखाओं को स्थिर धन जुटाने और धन की लागत के आधार पर उनकी लाभप्रदता का आकलन करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए, आपके बैंक द्वारा एक मिलान परिपक्वता-आधारित फंड हस्तांतरण मूल्य निर्धारण लागू किया गया था।

आपके बैंक की परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति (एएलसीओ) बैलेंस शीट में परिसंपत्ति-देयता मिश्रण को लगातार मॉडुलेट करके तरलता और ब्याज दर जोखिमों का प्रबंधन करती है। ALCO, अन्य आलिया, ब्याज दर परिदृश्यों, देयता उत्पादों के विकास के पैटर्न, ऋण वृद्धि, प्रतिस्पर्धी लाभ, तरलता प्रबंधन, नियामक नुस्खे का पालन और समय-समय पर देनदारियों और परिसंपत्तियों के मूल्य निर्धारण की समीक्षा करता है।

आपका बैंक मौद्रिक नीति संचरण में सबसे आगे रहा है, जिसने अपनी ऋण दरों के माध्यम से संचरण का पर्याप्त स्तर हासिल किया है और पात्र फ्लोटिंग रेट एडवांस के लिए अपनी एमसीएलआर रीसेट फ्रीक्वेंसी को 1 वर्ष से घटाकर 6 महीने तक पारेषण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त कदम उठाए हैं । बैंक ने